विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय -संस्कृत दिनांक 11-05-2021

वर्ग-सप्तम शिक्षक राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

द्वितीयः पाठः

लङ्लकारः

(प्रथमः पुरुषः)

शब्दकोश

संस्कृत	हिन्दी	संस्कृत	हिन्दी
धनुर्धरः	धनुष चलाने में पारंगत	भ्रातरौ	दो भाई
ह्स्व	बीता हुआ कल	आसीत्	था
आसन्	अनेक थे/थीं	आस्ताम्	दो थे/थी
स्मृ	याद करना	आ + नी	लाना
कृन्त्	काचना		

'लङ् लकार' का प्रयोग भूतकाल के लिए किया जाता है। 'लङ् लकार' प्रथम पुरुष के लिए धातु में लगने वाले प्रत्यय इस प्रकार हैं। -

एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
अ + धातु + अत् अ + पठ् + अत् = अपठत्	अ + धातु + अताम् अ + पठ् + अताम् = अपठताम्	अ + धातु + अन् अ + पठ् + अन् = अपठन्
सः अपठत्। (उसने पढा।)	तौ अपठताम्। (उन दोनों ने पढा)	ते अपठन्। (उन सबने पढा।)